Testline

RPSC स्कूल व्याख्याता (School Lecturer, 1st Grade)

Syllabus — पेपर II — भूगोल

हिंदी

Testline app में free test दें

testline.in

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SCHOOL EDUCATION)

भूगोल

(Geography)

भाग I : उच्च माध्यमिक स्तर (Senior Secondary Level)

- **भौतिक भूगोल**
  - अक्षांश, देशांतर, पृथ्वी की गतियां
  - पृथ्वी की आंतरिक संरचना, चट्टानें, भूकंप और ज्वालामुखी, भू–आकृतिक प्रक्रियाएं और स्थलाकृतियां
  - वायुमण्डल की संरचना और संघटन, सूर्यातप और तापमान, आर्द्रता और वर्षण
  - महासागरों के उच्चावच लक्षण, लवणता, ज्वार–भाटा और महासागरीय धाराएं
- **भारत**
  - स्थिति, भू–आकृतिक विभाजन, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, बाढ़, सूखा, भूस्खलन
  - प्रमुख फसलें, खनिज, प्रमुख उद्योग, जनसांख्यिकी विशेषताएं, परिवहन और संचार
- **मानव भूगोल**
  - परिभाषा, प्रकृति और विषय क्षेत्र। प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ। परिवहन, संचार और व्यापार
  - विश्व जनसंख्या का वितरण, घनत्व और वृद्धि। मानव विकास की अवधारणा
- **प्रायोगिक भूगोल**
  - मापनी, मानचित्र, मानचित्र–प्रक्षेप, स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा का आलेखी निरूपण, स्थलाकृतिक मानचित्र, मौसम मानचित्र और चार्ट

भाग II : स्नातक स्तर (Graduation Level)

- **भौतिक भूगोल**
  - भूवैज्ञानिक समय सारणी, पृथ्वी की उत्पति, समस्थिति (Isostasy), पृथ्वी की हलचलें, वायुदाब पेटियाँ और पवनें, वायु राशि और वाताग्र
  - विश्व की जलवायु का वर्गीकरण : कोपेन, थॉर्नथवेट। महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्तियों और एटोल का निर्माण
- **मानव भूगोल**
  - मानव भूगोल में आधुनिक विचारधाराएं : संभववाद, नियतिवाद, नव–नियतिवाद। प्रवास – इसके कारण और प्रकार
  - विश्व की प्रजातियों का वर्गीकरण और वितरण, मानव बस्तियां
- **आर्थिक भूगोल**
  - प्राकृतिक संसाधन और उनका वितरण, विश्व के कृषि प्रदेश, विश्व के औद्योगिक प्रदेश
- **भौगोलिक विचारधारा**
  - भूगोल की परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र और उद्देश्य, यूनानी, रोमन और अरब भूगोलवेत्ताओं का योगदान
  - हम्बोल्ट, रिटर, रेटजेल, हार्टशोन, हंटिंगटन, ब्लाश और कार्ल सॉर के कार्य
- **राजस्थान**
  - भू–आकृति, अपवाह तंत्र, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव, मिट्टी, सिंचाई, पशुधन, खनिज, उद्योग, जनसांख्यिकीय विशेषताएं, कृषि, कृषि–जलवायु क्षेत्र

भाग III : स्नातकोत्तर स्तर (Post Graduation Level)

- **भौगोलिक विचारधारा**
  - **भूगोल में हाल के रूझान** : मात्रात्मक क्रांति, व्यवहारवादी भूगोल, प्रत्यक्षवाद, कट्टरपंथी (Radical) भूगोल, मानवतावादी भूगोल, अपवादवाद और यथार्थवाद। भारत में भूगोल का विकास
  - **भू–आकृति विज्ञान** : मौलिक अवधारणाएं, महाद्वीपों और महासागरों की उत्पत्ति, प्लेट विवर्तनिकी, पर्वत निर्माण, अपरदन चक्र, ढाल विकास
  - **आर्थिक भूगोल** – औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत – वेबर, हूवर, लोश, इसार्ड और स्मिथ, भारत के आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिकरण के कारण पर्यावरण क्षरण और औद्योगिक खतरे
  - **नगरीय भूगोल** – प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक कला में नगरों की उत्पत्ति और विकास। नगरीय आकारिकी, नगरीय आकारिकी/संरचना के सिद्धांत, क्रिस्टालर का केंद्रीय स्थान सिद्धांत
  - **कृषि भूगोल** – कृषि प्रणाली, कृषि अवस्थिति सिद्धांत और भूमि उपयोग पैटर्न, नवाचार का प्रसार, भारत में हरित क्रांति, कृषि–वानिकी
  - **जनसंख्या भूगोल** – जनसंख्या के सिद्धांत, प्रवास के सिद्धांत, जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत। भारत सरकार की जनसंख्या नीति। जनसंख्या समस्याएं और पर्यावरणीय निहितार्थ
  - **राजनीतिक भूगोल** – राजनीतिक भूगोल के अध्ययन के दृष्टिकोण। सीमांत, सीमाएं और बफर जोन, क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र की अवधारणा, वैश्विक रणनीतिक दृष्टिकोण : मैकिंडर, स्पाइकमैन और महान